

भारत सरकार
युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय
(खेल विभाग)
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 3485
उत्तर देने की तारीख 10 अगस्त, 2026
19 श्रावण, 1948 (शक)

महाराष्ट्र में खेल पारिस्थितिकी तंत्र

3485. प्रो. वर्षा एकनाथ गायकवाड़:

श्री धैर्यशील राजसिंह मोहिते पाटील:

श्री भास्कर मुरलीधर भगरे:

श्रीमती सुप्रिया सुले:

क्या युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या सरकार ने महाराष्ट्र राज्य सरकार के साथ मिलकर खेल अवसंरचना को सुदृढ़ करने और राज्य में एक जीवंत खेल पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने के लिए कोई रोडमैप तैयार किया है;

(ख) पिछले तीन वर्षों और वर्तमान वर्ष के दौरान उक्त राज्य में खेल अकादमियों, उत्कृष्टता केंद्रों, सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक, इन्डोर स्टेडियमों और खेल प्रशिक्षण सुविधाओं की स्थापना के लिए खेलो इंडिया और अन्य केंद्रीय योजनाओं के तहत स्वीकृत तथा जारी की गई वित्तीय सहायता का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार के पास उक्त राज्य में उन्नत कोचिंग, खेल विज्ञान और आधुनिक खेल अवसंरचना के माध्यम से, विशेषकर ग्रामीण, आदिवासी और महिला एथलीटों के बीच खेल प्रतिभाओं की पहचान करने, उन्हें पोषित करने और विकसित करने की कोई योजना है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) महाराष्ट्र राज्य सरकार के समन्वय से खेल में भागीदारी को बढ़ावा देने, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों की मेजबानी को सुविधाजनक बनाने तथा राज्य में विश्वस्तरीय खेल अवसंरचना विकसित करने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं या उठाए जाने का प्रस्ताव है?

उत्तर
युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री
(डॉ. मनसुख मांडविया)

(क) से (घ): 'खेल' राज्य का विषय होने के कारण खेलों के विकास, खेल अवसंरचना के विकास एवं सुदृढीकरण, खेल अकादमियों, उत्कृष्टता केंद्रों, सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैकों, इंडोर स्टेडियमों तथा अन्य खेल प्रशिक्षण सुविधाओं की स्थापना, खेलों में जनभागीदारी एवं खेल पारिस्थितिकी तंत्र का संवर्धन तथा खेल प्रतिभा पहचान, पोषण और विकास का उत्तरदायित्व मुख्य रूप से संबंधित राज्य/संघ राज्य क्षेत्र की सरकारों का है। केंद्र सरकार महत्वपूर्ण कमियों को दूर करके उनके प्रयासों में सहायता करती है। युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय महाराष्ट्र राज्य सहित देश में खेलों के संवर्धन के लिए निम्नलिखित स्कीमों का कार्यान्वयन करता है:

- I. खेलो इंडिया – राष्ट्रीय खेल विकास कार्यक्रम;
- II. राष्ट्रीय खेल परिसंघों को सहायता;
- III. अंतरराष्ट्रीय खेल स्पर्धाओं में पदक विजेताओं एवं उनके कोचों को नकद पुरस्कार;
- IV. राष्ट्रीय खेल पुरस्कार;
- V. मेधावी खिलाड़ियों को पेंशन;
- VI. खिलाड़ियों के लिए पंडित दीनदयाल उपाध्याय राष्ट्रीय कल्याण कार्यक्रम;
- VII. राष्ट्रीय खेल विकास निधि;
- VIII. भारतीय खेल प्राधिकरण के माध्यम से खेल प्रशिक्षण केंद्रों का संचालन; तथा
- IX. राष्ट्रीय खेल विज्ञान एवं अनुसंधान केंद्र।

उपर्युक्त सभी स्कीमों का विवरण इस मंत्रालय तथा भारतीय खेल प्राधिकरण की वेबसाइटों पर पब्लिक डोमेन में उपलब्ध है।

महाराष्ट्र राज्य सहित देशभर में स्वीकृत खेल अवसंरचना परियोजनाओं, उनकी स्वीकृत लागत, जारी की गई धनराशि तथा वास्तविक एवं वित्तीय प्रगति का विवरण, साथ ही खेलो इंडिया केंद्र (केआईसी), खेलो इंडिया राज्य उत्कृष्टता केंद्र (केआईएससीई), खेलो इंडिया प्रत्यायित अकादमियाँ (केआईएए) तथा खेलो इंडिया एथलीट (केआईए) का विवरण इस मंत्रालय के डैशबोर्ड <https://dashboard.kheloindia.gov.in> पर पब्लिक डोमेन में उपलब्ध है।

यह मंत्रालय राज्य सरकारों तथा अन्य हितधारकों के समन्वय से आधुनिक खेल अवसंरचना के विकास, उच्च प्रदर्शन प्रशिक्षण सुविधाओं एवं उत्कृष्टता केंद्रों के विस्तार, राष्ट्रीय स्तर की खेल प्रतियोगिताओं के प्रोत्साहन तथा प्रमुख खेल स्पर्धाओं के आयोजन हेतु सहायता प्रदान करके देश में खेल पारिस्थितिकी तंत्र को निरंतर सुदृढ बना रहा है।

इसके अलावा, भारत को एक वैश्विक खेल महाशक्ति बनाने के दीर्घकालिक लक्ष्य की दिशा में राष्ट्रीय खेल परिसंघों को सहायता स्कीम महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यह स्कीम जमीनी स्तर पर खेलों के सुदृढ़ विकास, पेशेवर प्रशिक्षण, खिलाड़ियों को वैज्ञानिक सहायता तथा राष्ट्रीय खेल परिसंघों को अंतरराष्ट्रीय खेल स्पर्धाओं के आयोजन एवं उनमें भागीदारी के लिए सहायता प्रदान करके खिलाड़ियों को अधिक अवसर और अनुभव उपलब्ध कराना सुनिश्चित करती है। यह स्कीम जमीनी स्तर पर कोचों और तकनीकी कर्मचारियों के विकास तथा क्षमता निर्माण को भी प्राथमिकता देती है। सामूहिक रूप से, इन उपायों के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय स्पर्धाओं में हमारे खिलाड़ियों/टीमों की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता बढ़ती है और देश को ओलंपिक जैसे मेगा खेल स्पर्धाओं के सफल आयोजन के लिए रणनीतिक रूप से तैयार करने में सहायता मिलती है।
